सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 245 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 27 दिसम्बर, 2023

मूल्य ₹ 3/-

हमेशा ध्यान में रखिये की आपका सफल होने का संकल्प किसी भी और संकल्प से महत्वपूर्ण है।
-अब्राहम लिंकन

रबाडा ने भारत को डराया, राहुल... 7 | कांग्रेस को दूर करना होगा राह... 3 | पाकिस्तान से बात नहीं तो भारत... 2

24 के चुनाव में बीजेपी को सता रहा है हार का डर!

» विपक्षी गठबंधन इंडिया की बढ़त से घबराई मोदी सरकार

» अभी से करवाने लगे हैं ओपीनियन पोल

» विपक्ष का आरोप- सर्वे के सहारे मोदी को फिर से सत्ताशीर्ष पर पहुंचाने की जुगत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अभी लोकसभा चुनाव-24 होने में लगभग चार महीने बाकी है। उधर हाल ही में पांच राज्यों में से तीन उत्तरी राज्यों राजस्थान, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ में बीजेपी ने सरकार बनाई। कांग्रेस को इन राज्यों में सत्ता पाने में कामयाबी नहीं मिली। पर चुनाव के बाद जो आंकड़े आए है उसमें कांग्रेस का मत प्रतिशत भाजपा से कुछ ही कम हैं। ऐसा माना जा रहा है इंडिया गठबंधन के कुछ सदस्य दलों द्वारा अकेले लड़ने की वजह से बीजेपी को लाभ मिला व कांग्रेस को नुकसान।

हालांकि कांग्रेस के लिए राहत भरी खबर दक्षिण से आई जहां अभी कुछ दिन पहले ही कर्नाटक में भाजपा को पीछे छोड़कर उसने सरकार तो बनाई ही वहां के मतदाताओं दिलों में भी जगह हासिल की। इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए उसने तेलंगाना में बीआरएस की दस साल की सरकार को उखाड़ फेंका और जनता का अपार समर्थन प्राप्त किया। कुल मिलाकर जो दृश्य उभर रहा है वह यही है अगर कांग्रेस अपने सहयोगियों के साथ पूरी इंडिया गठबंधन के रुप में एकजुटता से 24 का चुनाव लड़ेगी तो वह बीजेपी की मोदी सरकार को सत्ता से बेदखल कर देगी। हालांकि कुछ दौर की मीटिंग के बाद भी इंडिया गठबंधन में मतभेद खत्म नहीं हो रहे हैं। पर इन सबके बीच कांग्रेस के आलाकमान ने फिर इंडिया गठबंधन को सहेजना शुरू कर दिया। इस सक्रियता से बीजेपी घबरा गई है। साम-दाम-दंड-भेद, येनकेन प्रकारेण सता पर काबिज होने की जुगत में लगी बीजेपी ने जब देखा कि कांग्रेस फिर से सबको जोड़कर लोक सभा चुनाव की वैतरणी पार करने में लगी है तो उसने गोदी मीडिया के सहारे ओपिनियन पोलों के माध्यम से मोदी सरकार को तीसरी बार सरकार बनाने का प्रचार अभियान शुरू कर दिया है। इस पूरी कवायद को विपक्ष ने भाजपा का डर बताया है। वरिष्ठ विपक्षी नेताओं ने कहा है कि सरकार, रोजगार समेत अपने किए गए के वादों में सफल नहीं हो पाई है। मोदी ने दस साल में सिर्फ धर्म के मुद्दे के सहारे चुनाव जीतने की कोशिश की है।

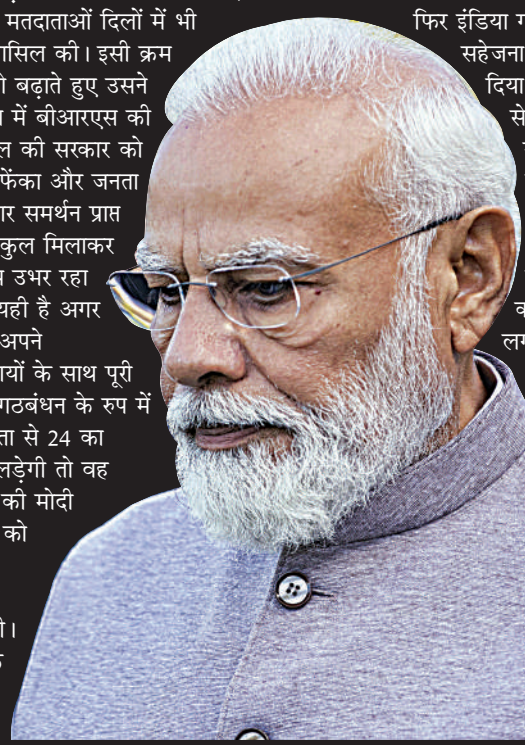

राजनाथ व मोदी फिर जीतेंगे

सर्वे के मुताबिक, पीएम मोदी वाराणसी सीट से फिर बड़े अंतर से जीतेंगे, वहीं लखनऊ की लोकसभा सीट से केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह काफी आगे रहने वाले हैं, साथ ही गोरखपुर से बीजेपी के सांसद और एक्टर रवि किशन ठीक ठाक अंतर से आगे रहेंगे।

सोनिया व डिंपल को मिलेगी बड़ी जीत

अमेठी से स्मृति ईरानी काफी आगे हैं। यह सीट गांधी परिवार का गढ़ रही है। पिछले लोकसभा चुनाव में स्मृति ईरानी ने राहुल गांधी को मात दी थी। पोल में अनुमान जताया गया है कि मैनपुरी सीट से डिंपल यादव आगे रह सकती है। इलाहाबाद सीट से रीता बहुगुणा जोशी आगे रह सकती है। सर्वे में उम्मीद जताई गई है कि कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी रायबरेली से फिर से चुनाव जीतेगी।

सर्वे दिखा रहे गठबंधन इंडिया भी मजबूती से आगे बढ़ रहा

लोकसभा चुनाव को लेकर गर्म सियासी माहौल के बीच एक ओपिनियन पोल के जरिए लोगों का मूड जाना है। सर्वे में अनुमान जताया गया है कि बीजेपी का नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन फिर से सत्ता में लौट सकता है। दूसरी ओर विपक्षी गठबंधन इंडिया भी मजबूती से आगे बढ़ता दिख रहा है। बीजेपी अपनी तैयारी में जुटी है तो कांग्रेस की भी तैयारी चल रही है। दिल्ली में बिहार, जम्मू कश्मीर और पंजाब के नेताओं के साथ कांग्रेस नेतृत्व की मीटिंग हुई।

देश के सबसे अक्षम गृह मंत्री हैं शाह : प्रियांक

» सीएए पर दिए बयान पर भड़के कर्नाटक के मंत्री

» बोले- मैच देखने का समय, पर संसद सुरक्षा व मणिपुर पर कुछ नहीं कहेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कर्नाटक के कैबिनेट मंत्री प्रियांक खरगे ने नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर हमला किया। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा,किअमित शाह शायद स्वतंत्र भारत के सबसे अक्षम गृह मंत्री हैं। उनके पास सीएए पर टिप्पणी करने और अपने बेटे को अहमदाबाद में क्रिकेट मैच का संचालन करते देखने का समय कैसे है, लेकिन वह मणिपुर पर टिप्पणी नहीं करना चाहते हैं या संसद सुरक्षा उल्लंघन मुद्दे पर टिप्पणी नहीं करना चाहते हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि उन्हें विषय को भटकाने की बजाय हमें बताना चाहिए कि जांच किस दिशा में जा रही है।

हिजाब पर कर्नाटक के मंत्री ने कहा कि राज्य की आर्थिक प्रगति में बाधा डालने वाले किसी भी कानून की समीक्षा की जाएगी।

एकबार फिर पूरे देश को एक करेंगे राहुल

» मणिपुर से मुंबई तक कांग्रेस निकालेगी भारत न्याय यात्रा

» 14 जनवरी से होगी शुरुआत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। भारत जोड़ो यात्रा के बाद अब राहुल गांधी मणिपुर से मुंबई तक भारत न्याय यात्रा की तैयारी में हैं। आगामी 14 जनवरी से कांग्रेस पार्टी की भारत न्याय यात्रा शुरू होगी। राहुल गांधी मणिपुर से मुंबई तक जाएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक कांग्रेस के इस आयोजन में पार्टी आलाकमान के अलावा प्रदेश कांग्रेस के तमाम नेता भी शिरकत करेंगे। पार्टी के कार्यक्रम से जुड़ी रिपोर्ट्स के मुताबिक राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा की तर्ज पर ही जनसंपर्क की नई कवायद कर रहे हैं।

पूर्वोत्तर भारतीय प्रदेश मणिपुर से 14 जनवरी को शुरू होने वाली पदयात्रा 20 मार्च को खत्म होगी। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि यात्रा के दौरान युवाओं, महिलाओं और हाशिए पर मौजूद लोगों से बातचीत करने का प्रयास किया जाएगा।उन्होंने कहा कि कई प्रदेशों से गुजरी इससे पहले भारत जोड़ो पदयात्रा के बाद राहुल गांधी और कांग्रेस के पास बड़ा अनुभव है।

वेणुगोपाल ने कहा कि भारत न्याय यात्रा 6,200 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। मणिपुर से शुरुआत के बाद कांग्रेस नेता नागालैंड, असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात के कुछ हिस्सों में भी जाएंगे। अंत में महाराष्ट्र पहुंचेगी।

पूर्वोत्तर से करेंगे आगाज

मणिपुर से यात्रा की शुरुआत को कांग्रेस का सियासी निशाना भी माना जा रहा है। बता दें कि इसी साल मई महीने में हिंसक घटनाओं और जातीय टकराव के कारण मणिपुर लगातार सुर्खियों में रहा था। संवेदनशील हालात को देखते हुए खुद गृह मंत्री अमित शाह को मणिपुर दौरा करना पड़ा था। कूकी और मैतेई समुदाय के टकराव और हिंसा के दौरान महिलाओं की नग्न परेड जैसी शर्मसार करने वाली घटनाएं भी सामने आई थीं। इस मुद्दे पर संसद में भी हंगामा हुआ था।

पाकिस्तान से बात नहीं तो भारत का गाजा और फिलिस्तीन जैसा होगा हश्र : फारूक

» बोले- अटल ने कहा था कि हम अपने दोस्त बदल सकते हैं लेकिन अपने पड़ोसी नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू-कश्मीर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के सांसद फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि अगर भारत ने पाकिस्तान के साथ बातचीत के जरिए कोई समाधान नहीं निकाला तो उसका हश्र गाजा और फिलिस्तीन जैसा ही हो सकता है, जिन पर इजरायली सेना बमबारी कर रही है। बयान पर केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी की ओर से प्रतिक्रिया आने की उम्मीद है, जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी कहा, अगर हम अपने पड़ोसियों के साथ मित्रतापूर्ण रहेंगे, तो दोनों प्रगति करेंगे।

अपने बयान में अब्दुल्ला ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी (पूर्व प्रधान मंत्री) ने कहा था कि हम अपने दोस्त बदल सकते हैं लेकिन अपने पड़ोसी नहीं। यदि हम अपने पड़ोसियों के साथ मित्रवत रहेंगे तो दोनों प्रगति करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा कि युद्ध अब कोई विकल्प नहीं है और मामलों को बातचीत के जरिए सुलझाया जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने सवाल किया कि संवाद कहां है? नवाज शरीफ (पाकिस्तान के) पीएम बनने वाले हैं और वे कह रहे हैं कि हम (भारत के साथ) बात करने को तैयार हैं, लेकिन क्या कारण है कि हम बात करने को तैयार नहीं हैं? अगर हम बातचीत से कोई समाधान नहीं ढूंढते हैं तो हमारा हश्र भी गाजा और फिलिस्तीन जैसा ही होगा, जिन पर इजराइल बमबारी कर रहा है।

नागरिकों की हत्या पर नेशनल कांफ्रेंस का प्रदर्शन

जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक दलों ने डेरा की गली पुंछ में तीन नागरिकों की हिरासत में हत्या की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है, जिन्हें कथित तौर पर आतंकवादी हमले में पुंछ में पांच सैनिकों की हत्या के बाद शुक्रवार को सेना द्वारा उठाया गया था। इस घटना की जांच की मांग को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) और अपनी पार्टी ने भी श्रीनगर में विरोध प्रदर्शन किया। दोनों दलों के कार्यकर्ताओं और नेताओं ने पार्टी मुख्यालय से विरोध प्रदर्शन किया और हिरासत के दौरान नागरिकों की हत्या में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। एनसी के विरोध का नेतृत्व पार्टी महासचिव अली मोहम्मद सगर ने किया, अपनी पार्टी के विरोध का नेतृत्व पूर्व मंत्री अशरफ मीर ने किया। घटना को गंभीरता से लेते हुए सेना ने एक ब्रिगेडियर स्तर के अधिकारी का तबादला कर दिया गया और 48 राष्ट्रीय राइफल्स के तीन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। हिरासत में आम नागरिकों को यातना दिए जाने के आरोप लगे, जिसके बाद जनता में आक्रोश देखने को मिला।

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद अब भी जीवित

पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद अब भी जीवित है और सेना या पुलिस के इस्तेमाल से इसका खात्मा नहीं किया जा सकता। उन्होंने केंद्र से आतंकवाद के मूल कारण को समझने के उपाय तलाशने का अनुरोध किया। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि आम लोगों को भी निरंतर रक्तपात से होने वाले नुकसान को समझना चाहिए क्योंकि आतंकवाद के चलते निर्दोष लोगों की जान जा रही है। अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर में हालात सामान्य होने के भाजपा के दावे को लेकर इसकी आलोचना की।

धर्म का राजनीतिकरण करना सही नहीं : वृंदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वरिष्ठ नेता वृंदा करात ने कहा कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन समारोह में भाग नहीं लेगी। उन्होंने बताया कि उनकी पार्टी धार्मिक मान्यताओं का सम्मान करती है, और उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए सुझाव दिया कि धर्म का राजनीतिकरण करना सही नहीं है।

उन्होंने अपने बयान में कहा कि हमारी पार्टी अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं होगी। हम धार्मिक मान्यताओं का सम्मान करते हैं लेकिन वे एक धार्मिक कार्यक्रम को राजनीति से जोड़ रहे हैं। यह एक धार्मिक कार्यक्रम का राजनीतिकरण है। ये बात ठीक नहीं है।

वही आएंगे जिन्हें राम ने बुलाया है : लेखी

केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने बृंदा करात पर पलटवार करते हुए कहा, निमंत्रण सभी के लिए भेजे गए हैं, लेकिन केवल वे ही आएंगे जिन्हें भगवान राम ने बुलाया है। वामपंथी नेता अकेले विपक्षी राजनेता नहीं हैं, जिन्होंने राम मंदिर के निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया है, पूर्व कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल ने कहा कि भगवान राम मेरे दिल में हैं और इसलिए, उन्हें समारोह में शामिल होने की आवश्यकता महसूस नहीं हुई, जो संभवतः चुनाव से पहले भाजपा द्वारा शक्ति प्रदर्शन होगा। आपसे जो कहता हूं वह मेरे दिल से है, क्योंकि मुझे इन चीजों की परवाह नहीं है। अगर राम मेरे दिल में हैं, और राम ने मेरी यात्रा में मेरा मार्गदर्शन किया है, तो इसका मतलब है कि मैंने कुछ सही किया है।

मस्जिद को तोड़ मंदिर बनाना इंसानियत नहीं : बर्क

» राममंदिर उद्घाटन पर सपा नेता ने दी प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राम मंदिर के उद्घाटन को लेकर संभल से सपा सांसद डॉ शफीकुर्रहमान बर्क ने ऐसा बयान दिया, जिसे लेकर अब विवाद छिड़ गया है. उन्होंने कहा कि जिस दिन राम मंदिर को उद्घाटन होगा उस दिन वो बाबरी मस्जिद के लिए अल्लाह से दुआ करेंगे। सपा सांसद के इस बयान पर अब विश्व हिन्दू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने बिना नाम लिया निशाना साधा और हिन्दुओं को लेकर दिए जा रहे बयानों के लिए समाजवादी पार्टी को खूब खरी खोटी सुनाई।

सपा सांसद शफीकुर्रहमान बर्क ने कहा कि अभी ऐसा काम नहीं हुआ कि इस तरह से मस्जिद को तोड़ कर या खत्म करके उसके बाद उसकी जगह मस्जिद ही नहीं रखी जाए बल्कि उस पर मंदिर बना दिया जाए, ये कौन सी इंसानियत है, बल्कि इंसानियत की रवायत के खिलाफ है, ताकत के बल पर हमारी मस्जिद शहीद कर दी गई और अब उस पर मंदिर बनाया जा रहा है, कोर्ट से हमारी उम्मीद के खिलाफ फैसला हुआ, मैं अल्लाह से दुआ करूंगा कि हमारी बाबरी मस्जिद हमें वापस मिल जाए।

स्वामी के बयानों से हिंदुत्व कमजोर नहीं होगा : केशव

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य का नाम लिए बिना कहा कि उनके सनातन विरोधी बयानों से न तो हिंदू धर्म कमजोर होगा और न ही भव्य राम मंदिर का निर्माण रुकेगा। उन्होंने कहा कि जाको प्रभु दारुण दुख दीना, ताकी मति पहले हर लीना...। उन्होंने कहा कि लगता है कि उनकी बुद्धि का हरण कर लिया गया है। उनको ये समझ में नहीं आ रहा है क्या बोलना चाहिए क्या नहीं। ऐसे बयान देकर कोई सनातन को न कमजोर कर सकता है और न ही मिटा सकता है। न हिंदुत्व को कमजोर कर सकता है और न ही मिटा सकता है और न ही भव्य राम मंदिर के निर्माण को रोक सकता है।

रामद्रोह से बाज आओ : विनोद

वीएचपी नेता विनोद बंसल ने समाजवादी पार्टी पर हमला करते हुए कहा कि, हिन्दुओं का अपमान करने की वजह से ही सपा का ये हाल हुआ है, उन्होंने कहा कि आज भी कुछ लोगों की मानसिकता ऐसी है जैस वो बाबर की ही संतान हैं, विनोद बंसल ने चेतावनी दी कि वो अपनी हरकतों से बाज आएं। वीएचपी नेता ने कहा, नाम के समाजवादी काम नमाजवादी...हिंदू, हिन्दुत्व व हिंदू मानबिन्दुओं का अपमान करना, लगता है, इन समाज कंटक लोगों के डीएनए का हिस्सा बन चुका है!! बाबर चला गया, बाबरी धूल धूसरित हो चुकी, पार्टी का धरातल रसातल में पहुंच गया किंतु फिर भी मानसिकता वही, जैसे ये बाबर की संताने हों...राम आ रहे हैं, रामद्रोह से बाज आओ और आप भी लौट आओ।

स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान को पार्टी का समर्थन नहीं : डिंपल

» अखिलेश ने कहा- नेता संयम रखें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा की सांसद डिंपल यादव ने मीडिया के सवालों के जवाब में उन्होंने कहा कि सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य धर्म को लेकर जो भी बयान दे रहे हैं, वो उनके अपने विचार हैं। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव इसे पहले ही कह चुके हैं। सपा स्वामी प्रसाद मौर्य के इन विचारों का समर्थन नहीं करती है। मालूम हो कि हाल ही में लखनऊ में महा ब्राह्मण समाज पंचायत का सम्मेलन हुआ था। इसमें सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी शामिल हुए।

इसमें अखिलेश यादव के सामने स्वामी प्रसाद मौर्या के बयानों पर सवाल उठे थे। इस पर अखिलेश ने उनके बयानों को निजी बताते हुए उनसे पूरी तरह से पल्ला झाड़ने की कोशिश की थी। साथ ही इस बात का भी इशारा किया था कि नेता इस तरह के बयानों से बचें। वहीं यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने भी स्वामी को कोसते हुए कहा कि राम का बीजेपी पर हाथ है। उन्होंने कहा भाजपा के शीर्ष नेता लालकृष्ण आडवाणी की अगुवाई में सोमनाथ से अयोध्या के लिए यात्रा निकली थी। इस यात्रा के सूत्रधार प्रधानमंत्री मोदी ही थे।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बेरोजगारी देश का सबसे ज्वलंत मुद्दा

2024 चुनाव में विपक्ष धर्म के मुद्दे से अलग जनता से जुड़े सरोकारों को जन-जन तक पहुंचाएगा। सरकार तो हर क्षेत्र में अपनी उपलब्धि का बखान कर रही है। वहीं विपक्ष सरकार को हर हाल में घेरना चाहती हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि बेरोजगारी देश का सबसे ज्वलंत मुद्दा है। भाजपा नीत केंद्र सरकार पर हमला करते हुए खरगे ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, देश का युवा पूछ रहा है कि सालाना दो करोड़ नौकरियां कहां गईं? भर्ती परीक्षाओं से नौकरी मिलने तक का सफर इतना जटिल क्यों हो गया है? उन्होंने कहा, बेरोजगारी देश का सबसे ज्वलंत मुद्दा है। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के जुलाई 2022-जून 2023 के आंकड़ों का हवाला देते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, 15-29 वर्ष की आयु के व्यक्तियों की बेरोजगारी दर 10 प्रतिशत है। पीएलएफएस आंकड़ों का हवाला देते हुए खरगे ने कहा कि जुलाई 2022-जून 2023 की अवधि में देश में 15-19 वर्ष आयु वर्ग में ग्रामीण क्षेत्र में बेरोजगारी दर 8.3 प्रतिशत थी, जबकि इसी अवधि में शहरी क्षेत्र में बेरोजगारी दर 13.8 प्रतिशत थी।

उन्होंने पूछा, एमएसएमई क्षेत्र को बर्बाद कर, करोड़ों युवाओं की नौकरियां छीन, उनका भविष्य क्यों बर्बाद किया गया? वहीं मारन के तमिल में दिए हालिया भाषण को लेकर भी विवाद पैदा हो गया है, जिसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री ने अंग्रेजी शिक्षा के महत्व पर जोर दिया था। मारन ने दावा किया था कि जो लोग अंग्रेजी में दक्षता हासिल कर लेते हैं, उन्हें बिहार और उत्तर प्रदेश के निवासियों के विपरीत सूचना-प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र में सम्मानजनक नौकरियां मिल जाती हैं। उन्होंने कहा कि बिहार और उत्तर प्रदेश के लोग केवल हिंदी जानते हैं एवं वे शौचालयों और सड़कों की सफाई तथा निर्माण श्रमिक के रूप में काम करने के लिए तमिलनाडु जैसे समृद्ध राज्यों में पहुंच जाते हैं। बिहार में सत्तारूढ़ महागठबंधन के सबसे बड़े घटक राजद और तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी द्रमुक विपक्षी गठबंधन इंडिया का हिस्सा है। इसी बीच, बिहार के विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भी मारन की आलोचना की तथा उसने उनसे तथा महागठबंधन से माफी मांगने की मांग की।प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने संवाददाताओं से कहा, दयानिधि मारन की टिप्पणियां बिहारी अस्मिता का अपमान हैं तथा इस बात का संकेत हैं कि वह सही मानसिक स्थिति में नहीं हैं। इस बीच जनता यही कह रही हे सियासी दलों को बेरोजगारी पर अपना स्टैंड क्लियर करना चाहिए।

भाजपा नीत केंद्र सरकार पर हमला करते हुए खरगे ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, देश का युवा पूछ रहा है कि सालाना दो करोड़ नौकरियां कहां गईं? भर्ती परीक्षाओं से नौकरी मिलने तक का सफर इतना जटिल क्यों हो गया है? उन्होंने कहा, बेरोजगारी देश का सबसे ज्वलंत मुद्दा है। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के जुलाई 2022-जून 2023 के आंकड़ों का हवाला देते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, 15-29 वर्ष की आयु के व्यक्तियों की बेरोजगारी दर 10 प्रतिशत है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

विपक्षी सांसदों का निलंबन जनता के लिए चेतावनी है?

श्रवण गर्ग

देश की सर्वोच्च संवैधानिक संस्था संसद से जिन 146 सदस्यों को निलंबित कर दिया गया था उन्हें अब क्या करना चाहिए? क्या उन्हें ऐसा मान लेना चाहिए कि वे अब सांसद नहीं रहे? संसदीय प्रजातंत्र के भविष्य को लेकर निराश हो जाना चाहिए? क्या इस बात की कोई गारंटी है कि बजट सत्र जब भी आयोजित होगा उन्हें इसी तरह के निलंबन का अपमान फिर से नहीं झेलना पड़ेगा? निलंबित किए गए सांसद सिर्फ हाड़-मांस के पुतले मात्र नहीं हैं! वे देश की लगभग एक-चौथाई आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं!

सांसदों के निलंबन की कार्रवाई बताती है कि सत्तारूढ़ दल को न सिर्फ जनता की ओर से न्यायोचित मांगें उठाने वाले सदस्यों की जरूरत नहीं बची, उसका एजेंडा उस जनता के बिना भी पूरा हो सकता है जो सवाल करने वाले प्रतिनिधियों को चुनकर भेजती है! हुकूमत ने अब ऐसे प्रतिनिधियों की गैर-मौजूदगी में भी देश के प्रजातांत्रिक भविष्य को प्रभावित करने वाले कानून बनाने की ताकत अख्तियार कर ली है। विपक्षी सांसदों की गैर-मौजूदगी में नागरिक जीवन और प्रजातंत्र को प्रभावित करने वाले पैंतीस विधेयक लोकसभा और राजसभा द्वारा पारित कर दिये गए। इनमें भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य संहिता जैसे महत्वपूर्ण विधेयक भी शामिल हैं जिनके कारण पड़ने वाले प्रभावों का अनुमान अभी नहीं लगाया जा सकता। विधेयकों के कानूनी रूप लेते ही हर तरह की असहमति के खिलाफ कानूनों के मारक प्रभाव की असलियत सामने आने लगेगी। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद पहले बार ऐसे चौंका देने वाले घटनाक्रम का देश को साक्षी बनना पड़ रहा है! दुनिया की किसी अन्य प्रजातांत्रिक व्यवस्था में इस तरह के निलंबन और बिना बहस-संशोधनों के विधेयकों को कानूनों में बदल देने की कार्रवाई कभी देखी नहीं गई। सिर्फ अधिनायकवादी हुकूमतों में ही एक व्यक्ति का राज चलता है। वही संसद होता है और उसका हर कहा कानून बन जाता है।

संसद की नई इमारत के निर्माण और गरिमापूर्ण धार्मिक आयोजन के बीच संपन्न हुई ऐतिहासिक 'राजदंड' की स्थापना के साथ कल्पना यही की गई थी कि देश के संसदीय प्रजातंत्र में एक नए युग की शुरुआत हो रही है! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी परिवर्तन के नायक के रूप में इतिहास में अपना नाम दर्ज करवाने वाले हैं! कल्पनाओं के विपरीत स्थापित यह होता दिखाई दे रहा है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पुराने से नए संसद भवन की तरफ पैदल मार्च करते हुए सत्तारूढ़ दल सिर्फ 1927 में निर्मित औपनिवेशिक इमारत को ही नहीं बल्कि धर्मनिरपेक्ष संविधान और लोकतांत्रिक परंपराओं को भी विदाई दे रहा था।

विपक्षी सांसद सरकार से आखिर मांग क्या रहे थे? उनकी मांग सिर्फ इतनी थी कि 13 दिसंबर 2023 के दिन संसद भवन के सुरक्षा कवच में जो गंभीर सेंध लगी उस पर देश के शीर्ष नेतृत्व को सदन में वक्तव्य देना चाहिए। देश की जनता को बताया जाना चाहिए कि सुरक्षा व्यवस्था को चकमा देकर दो युवा कैसे संसद के भीतर तक पहुंचने में कामयाब हो गए ! विपक्ष की मांग का जवाब घटना पर कोई वक्तव्य देने के बजाय सांसदों के निलंबन की कार्रवाई से दिया गया। चिंता का विषय हो सकता है अगर विपक्ष के प्रति कार्रवाई की आड़ में जनता को भी कोई संदेश दिया जा रहा हो! संदेश यह कि पुराना जो कुछ भी है वह समाप्त किए जाने के कगार पर है!

एक जीते-जागते प्रजातंत्र में विपक्ष के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई के पीछे केवल दो कारणों की तलाश की जा सकती है, पहला कारण सत्तारूढ़ दल का यह आत्मविश्वास कि प्रधानमंत्री के तिलिस्म और पार्टी की कट्टर हिंदुत्ववादी विचारधारा में विश्वास रखने वाले मतदाताओं की संख्या में न सिर्फ कोई कमी नहीं हुई है उसमें वृद्धि हो रही है। तीन राज्यों के चुनाव नतीजे इस दावे का प्रमाण है। परिणामस्वरूप मोदी न सिर्फ विपक्ष के खिलाफ कार्रवाई करने से नहीं हिचकिचा रहे हैं, वे भाजपा में कायम हो गए सत्ता केंद्रों पर भी निर्ममता से प्रहार कर रहे हैं। प्रधानमंत्री शायद स्थापित करना चाहते हैं कि उनके अकेले की ताकत के बल पर ही पार्टी लोकसभा चुनावों में पिछली बार से ज्यादा सीटें हासिल करके दिखाएगी! दूसरा और ज्यादा विश्वसनीय कारण सत्तारूढ़ दल का यह डर यह हो सकता है कि गैर-भाजपा दलों को प्राप्त होने वाले साठ प्रतिशत से ज्यादा मतों का आपस में विभाजन इस बार नहीं हो पाएगा। विपक्ष के मुकाबले कम मत प्राप्त होने के बावजूद बहुमत की सरकार बना पाना भाजपा के लिए कठिन साबित हो सकता है।

पहाड़ों के संरक्षण से ही थमेगा पर्यावरणीय संकट

वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली

कॉप सम्मेलनों के दौरान शायद ही कभी ऐसा हुआ होगा कि एक महत्वपूर्ण मंच से किसी संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने हिमालय को केन्द्र में लाकर रख दिया हो। दो दिसम्बर, 2023 में कॉप-28 की दुबई में लगभग शुरुआत में ही एक आयोजन में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने ऐसा कर दिखाया। उन्होंने चिंता के स्वरों के साथ कहा था कि जोखिम के प्रति संवेदनशील पर्वतीय देश वह संकट झेल रहे हैं जो उनके किये के कारण नहीं है। हिमालयी पर्वत सहायता के लिये चीत्कार कर रहे हैं। कॉप-28 को इसका जवाब देना चाहिए। उन्होंने यह भी जो?ा कि हिमालयी ग्लेशियर इतनी तेजी से पिघल रहे हैं कि डर है कि वहां सारे ग्लेशियर खत्म न हो जायें। हिमालयी पहा? बर्फ विहीन हो रहे हैं। यदि हम राह नहीं बदलेंगे तो भयंकर त्रासदी ले आयेंगे। ग्लेशियर लुप्तप्राय होने से गंगा, सिंधु, ब्रह्मपुत्र में पानी कम हो सकता है। इससे 2500 लाख लोगों पर असर प?गा। अक्तूबर, 2023 में नेपाल भ्रमण के अनुभवों का उल्लेख करते हुये महासचिव का कहना था कि नेपाल ने पिछले तीस सालों में एक-तिहाई बर्फ खोने की बात भी कही जिससे वहां स्थानीय समुदायों के जीवन पर असर प?ा है।

निस्संदेह, आज तेजी से गर्म होती पृथ्वी में जैव विविधता के साथ-साथ ग्लेशियर भी हमारा साथ छो?ते जा रहे हैं। हजारों साल पहले तक ग्लेशियर कई महाद्वीपों के भूभागों में विस्तार लिये थे। ये सिकु?ते गये व अब विश्व के दस प्रतिशत क्षेत्र में हैं। भारी-भरकम ग्लेशियर लम्बाई-चौ?ाई में सैक?ों किलोमीटर परिमाप और मोटाई में 70 से 100 मीटर से तीन-चार किलोमीटर तक परिमाप के भी हो सकते हैं। विश्व के जल भंडार सारे वैश्विक ग्लेशियर यदि पिघल जायें तो सागर स्तरों में लगभग 230 फीट की ब?ोतरी हो जायेगी। ग्लेशियर तो स्वत: भी पिघलेंगे ही। तभी तो विश्व की ऐसी हिमपोषित नदियां अस्तित्व में आती हैं जो कम बरसातों में भी सदानीरा रहती हैं। किन्तु इक्कीसवीं सदी की शुरुआत से ही हिमालयी ग्लशियरों की पिघलने की दर दुगुनी हो गई है।

ये हर साल करीब-करीब आधा मीटर की मोटाई खो रहे हैं। इससे नदियों पर, जैव विविधता पर व जलवायु पर असर प? रहा है। यदि ग्लेशियर ही न रहेंगे तो उनसे निकली नदियां भी कहां रह पायेंगी। किन्तु ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने से भविष्य में जल के संकट व बाढ़ों की संभावनाएं भी गहरा जाती हैं। इनमें खतरनाक ग्लेशियल झीलें भी बन जाती है। जिनके टूटने से तबाहियां आती रही हैं। उत्तराखंड में भी लगभग 486 ग्लेशियल झीलें हैं जिनमें से 13 बेहद जोखिम वाले हैं। दुनियाभर में तीस हजार वर्गमील ग्लेशियर तापमान की वैश्विक समस्या झेल रहे हैं। साल 2018 में बंगलुरु के जलवायु बदलाव पर काम करने वाले एक संस्थान के वैज्ञानिकों ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा था कि पश्चिमोत्तर हिमालय में 1991 के बाद औसत तापमान 0.66 सेंटीग्रेड ब? गया है। वहां सर्दियां भी लगातार गर्म हो रही हैं। अमेरिका की एक एजेंसी तो पूरे हिंदु कुश हिमालय पर ही जलवायु बदलाव के खतरों से सालों पहले आगाह कर चुकी थी।

हैरानीजनक है कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव जैसी चिंताएं सितंबर, 2023 जी-20 के दिल्ली शिखर सम्मेलन के जलवायु और पर्यावरण से संबंधित घोषणा पत्र में कहीं नहीं उभरीं। हिंदु कुश हिमालयी क्षेत्रों में ब?ते तापक्रम से भारी उथल-पुथल से गलते ग्लेशियर व उनसे आती बा?ों जैसे संकटों की चिंता हिंदु कुश हिमालयी देश चीन व भारत में तो होनी ही चाहिये थी। कटु यथार्थ तो यह है कि हिंदु कुश हिमालयी क्षेत्र के देश भारत में 70 प्रतिशत से ज्यादा बिजली उत्पादन कोयले से हो रहा है और निकट भविष्य में भी होता रहेगा। चीन भी कोयले का और अधिक उपयोग कर रहा है। इन देशों में बिजली उत्पादन, औद्योगीकरण, परिवहन, पर्यटन, तीर्थाटन के नाम पर ग्लेशियर क्षेत्रों तक मानवीय भी? व गतिविधियां भी पहुंची हैं। बता दें कि 7 फरवरी, 2021 को चमोली जिले में रैणी व तपोवन क्षेत्र में हुए जल प्रलय का कारण अप्रत्याशित रूप से ग्लेशियर विखंडन व ग्लेशियल झील फटने से जु?ी दुर्घटना ही थी। केदारनाथ में 2013 की त्रासदी में भी ग्लेशियल लेक बा? बहाव की भूमिका थी।

पवित्र चार धाम श्री बदरीनाथ, श्री केदारनाथ, श्री गंगोत्री व श्री यमुनोत्री धाम जो ग्लेशियरों के अंचल क्षेत्र हैं, वहां सीमित समय में हर धाम में लाखों श्रद्धावान पहुंच रहे हैं। हजारों वाहनों की हजारों ट्रिप हो रही हैं। आकाशीय परिवहन भी ब? रहा है। यहां सीमेंट-सरिया से निर्माण भी ब?ा है। श्री बदरीनाथ धाम के पास सतोपंथ ग्लेशियर है। यमुनोत्री ग्लेशियर भी यमुनोत्री से लगभग दस किमी पर है। गंगोत्री ग्लेशियर का गोमुख भी बीते दशक में करीब 300 मीटर पीछे खिसक गया है। भारत को अपने ग्लशियरों को बचाना चाहिये। ऐसे आर्थिक लोभ की गतिविधियों से भी बचना चाहिये जिससे हिमालयी ग्लेशियरों पर संकट आये। बाहर की भी? को वहां ग्लेशियरों पर संकट न पैदा करने दीजिये। इससे प्रदूषक कार्बन गैसें, ग्रीन हाउस गैसें वहां पहुंच रही हैं। इनसे ग्लेशियरों में उष्मीय ऊर्जा भी कैद हो रही है। ग्लेशियर्स की सेहत के लिए बर्फ पर कम से कम गतिविधियां हों। उनके आसपास वेडिंग डेस्टिनेशन और ज्यादा हवाई उड़ानों को न लायें।

कांग्रेस को दूर करना होगा राह के रोड़े

यूपी, पंजाब, बंगाल व बिहार में सीट बंटवारे पर फंसेगा पेंच!

- सपा, राजद, आप और टीएमएसी अपने राज्यों में ज्यादा सीटें देने के मूड में नहीं
- इंडिया गंठबंधन को दिखानी होगी एकजुटता
- मतभेदों से लाभ उठाने की फिराक में भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एक तरफ जहां कांग्रेस नेता राहुल गांधी पूरे इंडिया गठबंधन को एकजुट करने की कोशिश में लगे हुए हैं। वहीं सपा वहां राजद ने सीट बंटवारें को लेकर अपने दिये बयान से कांग्रेस को असहज कर दिया है। अब चूकि 2024 चुनाव होने में मात्र चार से पांच महीने रह गए है वैसे में अभी विपक्षी गठबंधन में सबकुछ ठीक न होना उचित नहीं है। विपक्ष के इस तरह से अलग-अलग होने का पूरा लाभ बीजेपी उठाने का प्रयास करेगी। राजनीतिक पंडितों से लेकर सियासी विश्लेषक तक कई बार कह चुके हैं अगर इंडिया गठबंधन के सभी दल सारे मतभेद भुलाकर एक साथ चुनाव लड़े तो बीजेपी की मोदी सरकार को आने वाले चुनाव में सत्ता पर काबिज होना आसान नहीं होगा। पर जिस तरह से अन्य सहयोगी दलों के बयान आ रहे है उससे तो ऐसा लग रही है कांग्रेस के लिए सीट बंटवारा ही नहीं अन्य मुद्दों पर अपने सहयोगियों को संतुष्ट कर पाना आसान नहीं है।

दरअसल बिहार में आरजेडी ने कांग्रेस से कहा है कि वह सीपीआई एमएल और सीपीआई के लिए 2, जबकि कांग्रेस के लिए 4 सीटें छोड़ सकती है, यूपी में सपा ने कहा है कि वह कांग्रेस को सिर्फ 8 सीट दे सकती है। इंडिया गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर चल रही खींचतान घटने की जगह बढ़ती जा रही है। दिल्ली, पंजाब, यूपी और वेस्ट बंगाल के बाद अब बिहार में भी स्थानीय दल कांग्रेस को उसके मुताबिक सीटें देने को तैयार नजर नहीं आ रहे हैं। हालांकि सूत्रों का दावा है कि इन सभी राज्यों में कांग्रेस की कुछ और सीटों पर नजर है। इस वजह से पार्टी गठबंधन के लिए कुछ और सीटें मांग सकती है। गौरतलब है कि इंडिया गठबंधन की अंतिम बैठक दिल्ली में हुई थी। विधानसभा चुनाव के दौरान गठबंधन की बैठक नहीं हुई और उसके बाद ये पहली बैठक थी। इस बैठक में गठबंधन दलों के पार्टी प्रमुख शामिल हुए थे। इस बैठक के दौरान पीएम पद के लिए ममता बनर्जी ने मल्लिकार्जुन खरगे के नाम का प्रस्ताव रखा था। इस प्रस्ताव का सीएम अरविंद केजरीवाल समेत कुछ और दलों ने समर्थन किया था। हालांकि बाद में खुद खरगे ने ही अपने दावेदार होने का खंडन कर दिया था। वहीं शरद पवार ने भी कहा है कि अभी से पीएम के चेहरे की बात करना ठीक नहीं है।

खरगे व मोदी में बहुत अंतर : अजित

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बीच बहुत बड़ा अंतर है, और आने वाले लोकसभा चुनावों में लोग फिर से मोदी का समर्थन करेंगे। मुंबई में` बात करते हुए, पवार ने यह भी कहा कि वह भाजपा और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ अपने गठबंधन को धोखा नहीं देंगे। इस साल जुलाई में सत्तारूढ़ महायुति (महागठबंधन) में शामिल होने के लिए राकांपा को तोड़ने वाले पवार ने कहा कि वह अपने नए सहयोगियों को धोखा नहीं देंगे, लेकिन न ही वह भाजपा के प्रतीक पर चुनाव लड़ेंगे। आपको बता दें कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की ओर से प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के नाम का प्रस्ताव दिया था। वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि सबसे पहले जीतना अहम है और बाकी चीजों पर बाद में फैसला किया जा सकता है। इस मुद्दे पर कोई अंतिम निर्णय नहीं हो सका है। गठबंधन के प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाए जाने के प्रस्ताव के बाद खरगे ने कहा, ''मैं वंचितों के लिए काम करता हूं। पहले जीतें, फिर देखेंगे। मैं कुछ भी नहीं चाहता हूं।''

अभी पीएम फेस की जरूरत नहीं : पवार

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सुप्रीमो शरद पवार ने कहा है कि 1977 के लोकसभा चुनाव के दौरान किसी प्रधानमंत्री पद का चेहरा पेश नहीं किया गया था। पवार की टिप्पणी तब आई जब विपक्षी इंडिया गुट ने अभी तक आगामी 2024 चुनावों के लिए प्रधान मंत्री पद का चेहरा पेश नहीं किया है। हालाँकि, इंडिया समूह के कुछ दलों ने कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे को विपक्षी गठबंधन के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में प्रस्तावित किया है। पवार ने दावा किया कि चुनाव के बाद मोराराजी देसाई को प्रधानमंत्री बनाया गया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यदि लोग परिवर्तन के मूड में हैं, तो वे उस परिवर्तन को लाने के लिए निर्णय लेंगे। इस बीच, भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने पवार की टिप्पणियों का हवाला देते हुए कहा, यहां तक कि कांग्रेस भी दीदी (पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी) द्वारा आगे बढ़ाए गए खड़गे जी के नाम से खुश नहीं थी। एक्स को संबोधित करते हुए, पूनावाला ने यह भी कहा,एक बार फिर विभाजन खुले में है।

बिहार-यूपी कांग्रेस को मिलेगा झटका

बिहार में आरजेडी ने कांग्रेस से कहा है कि वे सहयोगी दलों को केवल 6 सीटें दे सकते हैं, आरजेडी और जेडीयू 17-17 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी में है, आरजेडी का कहना है कि वह सीपीआई एमएल और सीपीआई के लिए 2 और कांग्रेस के लिए 4 सीटें छोड़ सकती है। वहीं दूसरी ओर उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस से कहा है कि वे उन्हें केवल 8 सीटें दे सकती है। इन आठ सीटों में बनारस, लखनऊ जैसी सीटें शामिल हैं, जहां एसपी की मौजूदगी ज्यादा नहीं है। इन सबसे अलग कांग्रेस दोनों राज्यों में सहयोगियों से अधिक सीटों की उम्मीद कर रही है और बातचीत के लिए और अधिक प्रयास कर सकती है।

तीन राज्यों के चुनावी परिणाम का असर

इंडिया गठबंधन अगली बैठक में आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर सीट बंटवारे पर चर्चा होने की संभावना है। लेकिन इससे पहले ही तमाम दल गठबंधन में अपनी सीटों को लेकर अलग-अलग तरह के दावे कर रहे हैं, इन दावों की वजह से उत्तर प्रदेश और बिहार समेत 3 राज्यों में पेंच फंसता हुआ नजर आ रहा है। सूत्रों का दावा है कि विधानसभा चुनाव के दौरान हिंदी पट्टी के 3 राज्यों में कांग्रेस की बड़ी हार के बाद सहयोगी दल पार्टी पर दबाव बना रहे हैं। दरअसल, गठबंधन के लिए कांग्रेस और सपा के बीच पहले ही पेंच फंसता नजर आ रहा है। समाजवादी पार्टी इस गठबंधन में यूपी के लिए नेतृत्व करने की बात पहले ही दोहराती रही है। लेकिन अब पार्टी ने

गठबंधन के लिए कांग्रेस के सामने केवल 8 सीटों का ऑफर रखा है. सूत्रों की मानें तो इन आठ सीटों में ज्यादातर शहरी सीटें हैं। सपा द्वारा कांग्रेस को गठबंधन के लिए वाराणसी और लखनऊ जैसी 8 सीटों का ऑफर दिया गया है। सपा द्वारा ऑफर की गई सीटों में ज्यादातर ऐसी हैं जहां पार्टी का जनाधार कमजोर है।

पश्चिमम बंगाल में टीएमसी व पंजाब में आप भी तेवर में

पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 42 में से करीब 2 सीट ही ऑफर कर सकती है. हालांकि कांग्रेस की नजर गठबंधन की स्थिति में 6-8 सीटों पर है। सूत्रों के मुताबिक, तृणमूल ने अपने प्रस्ताव के बारे में कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व को बता दिया है । वहीं आम आदमी पार्टी भी इंडिया गठबंधन का हिस्सा है, लेकिन पंजाब में सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस और आप में तकरार चल रही है, आम आदमी पार्टी यहां लोकसभा की सभी 13 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है, वह कांग्रेस को एक भी सीट देने के मूड में नहीं है, इसे लेकर दोनों दलों के नेताओं की ओर से कई बार बयानबाजी की जा चुकी है।

कुरकुरी आलू टिक्की

हल्की भूख के लिए घर पर करें तैयार

भारत देश अपने खान-पान की वजह से पूरे विश्व में फेमस हैं। यहां हर राज्य अपने अलग खाने की वजह से जाना जाता है। तमाम तरह के पकवानों में आलू की टिक्की भी शामिल है। आलू की टिक्की एक ऐसी डिश है, जो भारत के हर कोने में आसानी से मिल जाती है। चाहे शादी-विवाह हो, या फिर कोई छोटे-मोटे कार्यक्रम, हर जगह दावत में आलू की टिक्की जरूर मिल जाती है। बाजार में मिलने वाली टिक्की खाने में तो काफी स्वादिष्ट होती है, लेकिन ज्यादातर लोग बाजार में मिलावट वाले खाने की वजह से खाने से डरते हैं। अगर आपको भी बाहर का खाना खाने से डर लगता है तो शाम की छोटी भूख के लिए आप घर पर ही आलू की टिक्की बनाकर खुद भी खा सकते हैं और अपने घरवालों को भी खिला सकते हैं।

विधि

आलुओं की टिक्की बनाने के लिए सबसे पहले आलू को धोकर उबाल लें, फिर उनको छील लें। सही से आलू छीलने के बाद इसे कद्दूकस कर लें। कद्दूकस किए हुए आलू को सही से एक बार मैश कर लें। इसके बाद एक बड़े बाउल में कद्दूकस किए हुए आलू, हरी मिर्च, धनिया पत्ती, लहसुन का पेस्ट, अदरक का पेस्ट, धनिया पाउडर, जीरा पाउडर, हल्दी पाउडर, गरम मसाला पाउडर और नमक डालें। सभी चीजें एक साथ डालने के बाद इसे सही तरह से मिलाएं। आलुओं में मसाला सही तरह से मिल जाना चाहिए। इसके बाद इस मिश्रण से आलू की टिक्की बनाएं और उन्हें हल्के तेल में सेक लें। दोनों तरफ से सुनहरा होने के बाद एक प्लेट पर निकाल लें। नैपकिन की मदद से इसका अतिरिक्त तेल निकाल दें। आलू टिक्की को गर्मागर्म कैचअप और धनिए की चटनी के साथ परोसें।

सामग्री

आलू - 4 मीडियम साइज के, हरी मिर्च - 2-3, धनिया पत्ती - 2 टेबलस्पून, लहसुन का पेस्ट - 1 छोटा चम्मच, अदरक का पेस्ट - 1 छोटा चम्मच, धनिया पाउडर - 1 छोटा चम्मच, जीरा पाउडर - 1/2 छोटा चम्मच, हल्दी पाउडर - 1/4 छोटा चम्मच, गरम मसाला पाउडर - 1/4 छोटा चम्मच, नमक - स्वाद के अनुसार, तेल - तलने के लिए।

मीठा खाना है पसंद तो बनाएं

ये हेल्दी और टेस्टी केक

केक खाना हर किसी को पसंद होता है। बच्चों से लेकर बड़ों तक इसे बड़े चाव से खाते हैं। खुशी के मौके पर केक काटने का एक अलग ही महत्व है। बच्चो की खासकर यह फरमाइश होती है कि उन्हें केक खाना है। ऐसे में सर्दियों में आप घर पर ही कुछ हेल्दी केक बना सकते हैं, जो सभी लोगों को काफी पसंद आएगा।

गाजर केक की सामग्री

गाजर- 2-3, अंडे- 2, आटा- 2 कप, शुगर स्वादानुसार, ऑलिव ऑयल- 2 टेबलस्पून, वेनीला एसेंस, नमक और बेकिंग पाउडर- 1 चम्मच।

विधि

इसे बनाने के लिए सबसे पहले माइक्रोवेव को 180 डिग्री पर प्रीहीट करें। अब गाजर, शुगर, ऑयल, अंडा, वनीला एसेंस को ब्लेंड कर लें। इसके बाद आटा, बेकिंग पाउडर और नमक को मिक्स करें और ब्लेंड करें। बेकिंग ट्रे में केक के मिश्रण को डालकर 20-30 मिनट बेक करें।

विधि

पंपकिन केक बनाने के लिए सबसे पहले माइक्रोवेव को 180 डिग्री पर प्रीहीट करें। एक बाउल में आटा, बेकिंग पाउडर, सोडा, दालचीनी पाउडर और नमक डाल कर मिक्स करें। अब एक बाउल में शुगर और तेल को फेंट लें। इसमें कद्दू और वेनिला एसिंस मिलाकर और एक अंडा डाल कर फेंट लें। अब इस बैटर को ओवन ट्रे में डाल कर 30 मिनट तक बेक करें।

पंपकिन केक की सामग्री

आटा- 2 कप, बेकिंग पाउडर- 3 चम्मच, बेकिंग सोडा- 2 चम्मच, दालचीनी (पिसी हुई)- 2 चम्मच, नमक- एक चुटकी, शुगर- 2 कप, ऑयल- 1 कप, कद्दू का पेस्ट- 2 कप, वेनिला एसिंस- 1 चम्मच, अंडे- 4।

हंसना मना है

एक लड़की- हे भगवान, मेरी शादी किसी समझदार आदमी से करवा दो, भगवान - घर जाओ बेटी समझदार आदमी कभी शादी नहीं करते!

एक लड़का फेल हुआ उसके पापा ने कहा, देख- देख उस लड़की को देख, वो तुम्हारे साथ पढ़ती है और 1st आयी है। लड़का- देख देख क्या देख, उसीको देख देख के तो फेल हुआ हूं!

सांता- आज तेरे मोबाइल पे बड़े मैसेज आ रहे है, क्या बात है? बंता- ओ कुछ नही यार, अपनी ऐसी किस्मत कहां, आज तो बीवी का मोबाइल लाया हूं!

लड़की- अगर मैं मर जाऊं तो तुम क्या करोगे? लड़का- मैं भी मर जाऊंगा, लड़की - पर क्यों? लड़का- कभी कभी ज्यादा खुशी भी जान ले लेती है!

कहानी

रिश्वत का खेल

विजयनगर के राजा कृष्णदेव राय किसी भी कलाकार को कोई भी पुरस्कार या धन राशि देने से पहले तेनालीराम से सलाह जरूर मांगते थे। उन्हें यह पता था कि तेनालीराम बुद्धिमान तो हैं ही, साथ में उन्हें कला की भी अच्छी पहचान है। तेनालीराम को मिलने वाले इस सम्मान से बाकी दरबारियों को जलन थी। एक बार तेनालीराम दरबार में न आ सके। उनकी गैर मौजूदगी का फायदा उठाते हुए दरबारियों ने राजा के कान भरने शुरू कर दिए। कहा, महाराज तेनालीराम बहुत बेईमान आदमी है। जिस भी कलाकार को उसे पुरस्कार दिलाना होता है, वो उससे पहले रिश्वत ले लेता है। चार-पांच दिन तक तेनालीराम दरबार में नहीं आए, तो दरबारियों ने फिर वही बात राजा से कही। जब कुछ दिनों बाद तेनालीराम दरबार में उपस्थित हुए, तो उन्हें महाराज कुछ उखड़े-उखड़े दिखाई दिए। तेनालीराम ने देखा कि अब महाराज ने किसी को पुरस्कार देने से पहले उससे सलाह लेना बंद कर दिया है। फिर एक दिन राजा के दरबार में एक गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता खत्म होते ही तेनालीराम बोले, एक गायक के अलावा सबको इनाम मिलना चाहिए, लेकिन राजा ने तेनालीराम की बात टाल दी और बिल्कुल उल्टा व्यवहार किया। उन्होंने उस एक गायक को इनाम देकर बाकी सबको खाली हाथ लौटा दिया। सभी दरबारी तेनालीराम का यह अपमान देखकर बहुत खुश हुए। कुछ दिनों बाद दरबार में एक बहुत ही सुरीला गायक अपनी कला का प्रदर्शन करने के लिए आया। उसकी आवाज और सुर-ताल बहुत मधुर थे। उस दिन उसने दरबार में एक से बढ़कर एक गीत गाए और पूरी राजसभा को भाव विभोर कर दिया। तो तेनालीराम उस गायक से बोले, तुम्हारी आवाज बहुत मीठी है और मैंने ऐसे गीत अपने जीवन में कभी नहीं सुने। इस प्रतिभा के लिए तुम्हें 15 हजार स्वर्ण मुद्राएं जरूर मिलनी चाहिए। महाराज बोले, तुम्हारी कला वाकई में लाजवाब है, लेकिन हमारे राजकोष में किसी गायक के लिए इतना धन नहीं है, इसलिए अब तुम जा सकते हो। तेनालीराम को उस प्रतिभावान गायक की दशा पर बहुत तरस आया। उन्होंने भरे दरबार में उस गायक को एक पोटली दे दी। यह देखकर दरबारी विरोध करने लगे। सभी एक स्वर में बोले कि जब राजा ने गायक को कुछ नहीं दिया, तो तेनालीराम कौन होता है खैरात बांटने वाला? राजा को भी तेनालीराम कि इस हरकत पर बहुत गुस्सा आया। उन्होंने सेवकों को आदेश दिया कि गायक से वो पोटली छीनकर मेरे पास लाओ। राजा ने उस पोटली को खोला, तो उसमें मिट्टी का एक बर्तन था। मिट्टी का बर्तन देखकर राजा ने तेनालीराम से सवाल किया कि ये बर्तन तुम गायक को क्यों देना चाहते हो। तेनालीराम बोले, महाराज, बेचारा यह गायक इनाम तो हासिल नहीं कर पाया, लेकिन कम से कम इस दरबार से खाली हाथ तो नहीं जाएगा। इस मिट्टी के बर्तन में वो तारीफ और वाहवाही भरकर ले जाएगा। तेनालीराम के मुंह से यह जवाब सुनकर राजा को उसकी दरियादिली और सच्चाई का ज्ञान हुआ। उनका गुस्सा गायब हो गया और राजा ने गायक को 15 हजार स्वर्ण मुद्राएं इनाम में दे दीं। वहीं, तेनालीराम के विरोधी छोटा-सा मुंह लेकर खड़े देखते रहे।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

मित्रों की सहायता कर पाएंगे। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता रहेगी।

वृषभ

आशंका-कुशंका के चलते कार्य की गति धीमी रह सकती है। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है।

मिथुन

जीवनसाथी से कहासुनी हो सकती है। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर होगी। करियर बनाने के अवसर प्राप्त होंगे। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी।

कर्क

बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ के असवर हाथ आएंगे। यात्रा में सावधानी रखें। किसी पारिवारिक आनंदोत्सव में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा।

सिंह

कोई बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। पारिवारिक चिंताएं रहेंगी। मेहनत अधिक तथा लाभ कम होगा। दूसरों से अपेक्षा न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कन्या

स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में विशेषकर स्त्रियां सावधानी रखें।

तुला

विवेक का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। कोई बड़ी बाधा से सामना हो सकता है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। रुका हुआ धन मिल सकता है।

वृश्चिक

प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट से कार्य में रुकावट होगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

धनु

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। यात्रा में जल्दबाजी न करें। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। स्वास्थ्य पर बड़ा खर्च हो सकता है।

मकर

दूर से अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। कोई बड़ा काम करने की योजना बनेगी। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर में अतिथियों पर व्यय होगा।

कुम्भ

राजकीय अवरोध दूर होंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। धर्म-कर्म में मन लगेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। निवेश शुभ रहेगा।

मीन

समाजसेवा में रुझान रहेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। पुरानी व्याधि से परेशानी हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

बॉलीवुड | प्रमोशन

मेरी बेटी अवा को पसंद नहीं आई 'द आर्चीज': मनोज

इस साल शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान ने फिल्म द आर्चीज से डेब्यू किया है। सुहाना के अलावा और भी कई स्टारकिड्स इस फिल्म में नजर आए। हाल ही में मनोज बाजपेयी ने जोया अख्तर निर्देशित इस फिल्म को लेकर बात की। मनोज बाजपेयी ने बताया कि उनकी बेटी अवा को ये फिल्म पसंद नहीं आई है। मनोज बाजपेयी ने कहा कि उन्होंने हाल ही में अपनी बेटी के साथ ये फिल्म देखी। मनोज बाजपेयी ने बताया कि उनका फिल्म द आर्चीज देखने का कोई इरादा नहीं था। लेकिन, उनकी बेटी अवा को ये फिल्म देखनी थी, इसलिए उन्होंने भी देखी। एक्टर ने बताया कि करीब 50 मिनट तक फिल्म देखने के बाद उन्होंने अपनी बेटी से कहा कि उन्हें ये फिल्म अच्छी नहीं लग रही है। इस पर अवा ने कहा, ओके।

मनोज बाजपेयी ने आगे कहा कि द आर्चीज उनकी जिंदगी का हिस्सा नहीं रही। एक्टर ने कहा कि उन्होंने मुश्किल से पूरी फ्रेंचाइजी की एक किताब पढ़ी होगी। एक्टर ने कहा कि यहां तक कि उनकी बेटी को भी ये फिल्म अच्छी नहीं लगी। बता दें कि द आर्चीज के जरिए बोनी कपूर और श्रीदेवी की छोटी बेटी खुशी कपूर और अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा ने भी डेब्यू किया है। ये फिल्म इसी महीने नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई। मनोज बाजपेयी ने आगे कहा कि बेटी अवा के जन्म के बाद वे पूरी तरह बदल गए हैं। इसके अलावा एक्टर ने कहा कि उनकी बेटी हिंदी नहीं बोलती है। मनोज के मुताबिक कई बार उसकी टीचर भी इस बात से निराश होती हैं कि मनोज बाजपेयी की बेटी होने के बावजूद अवा को हिंदी भाषा की जानकारी नहीं है। एक्टर ने आगे कहा कि जब भी उन्होंने अवा को डांटने की कोशिश की, बदले में उन्हें हमेशा बेटी से डांट सुनने को मिली है।

अब ओटीटी पर दस्तक देने को तैयार कंगना की फिल्म तेजस

कंगना रणौत आए दिन किसी न किसी वजह से सुर्खियों में बनी रहती हैं। हर मुद्दे पर वह बेबाकी से अपनी बात सामने रखती हैं। इसके साथ ही उन्होंने अपनी फिल्मों के जरिए कई तरह की भूमिकाओं को खूबसूरती के साथ पर्दे पर उतारा है। हालांकि, अभिनेत्री की फिल्म तेजस बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल दिखाने में असफल रही थी। अब सिनेमाघरों के बाद कंगना की फिल्म ओटीटी पर रिलीज होने के लिए तैयार है।

एक्शन से भरपूर इस थ्रिलर में कंगना एक भारतीय वायु सेना पायलट की भूमिका में हैं। यह सर्वेश मेवाड़ा द्वारा लिखित और निर्देशित है और रोनी स्क्रूवाला द्वारा निर्मित है। 27 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर असफल रही और इसे खराब समीक्षा मिली। कंगना ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि तेजस में सशस्त्र बलों की बहादुरी के बारे में वास्तविक जीवन की कहानी दर्शकों को प्रेरित करेगी।

अभिनेत्री ने एक इंटरव्यू में कहा, मुझे उम्मीद है कि दर्शक सशक्त कहानी को पसंद करेंगे और हमारे वास्तविक जीवन के नायकों की अविश्वसनीय कहानियों से प्रेरणा लेंगे। एक रोमांचक यात्रा के लिए तैयार हो जाइए क्योंकि तेजस डिजिटल मंच पर उड़ान भर रहा है। बता दें कि तेजस जी-5 पर 5 जनवरी 2024 से स्ट्रीम होगी। जी-5 के मुख्य व्यवसाय अधिकारी, मनीष कालरा ने अपने मंच पर तेजस जैसी प्रेरणादायक फिल्म का प्रदर्शन करने पर गर्व व्यक्त किया है।

दर्शक हैं उत्साहित

मनीष कालरा ने कहा, हमारा मिशन अपने दर्शकों को प्रासंगिक कहानियों से जोड़े रखना है। गदर 2 से लेकर घूमर तक, हम इस त्योहारी सीजन में अच्छे कंटेंट के साथ अपनी लाइब्रेरी को समृद्ध करने में सक्षम हैं। तेजस एक और रोमांचक कहानी है हमारी लाइब्रेरी के लिए। हम अपने सशस्त्र बलों की भावना के अनुरूप साहस और देशभक्ति की इस मनोरंजक कहानी को प्रस्तुत करने में गर्व महसूस करते हैं।

चर्चित रियलिटी शो निकाले जाने पर छलका ऐश्वर्या शर्मा का दर्द

बिग बॉस में मेरे साथ बहुत गलत हुआ

चर्चित रियलिटी शो बिग बॉस 17 फैंस के बीच खूब पसंद किया जा रहा है। इसमें गुम है किसी के प्यार में फेम अभिनेत्री ऐश्वर्या शर्मा ने भी शिरकत की। हालांकि, फिलहाल सलमान खान के शो से उनकी छुट्टी हो चुकी है। हाल ही में मीडिया के सामने ऐश्वर्या ने रियलिटी शो में अपनी यात्रा पर बात की। इसके अलावा शो से निकालने जाने पर भी उनका दर्द झलका। इसके लिए उन्होंने ईशा मालवीय पर सारा दोष मढ़ा है। ऐश्वर्या ने मीडिया से बात करते हुए कहा, बुरा लगता है जब आप वोटिंग नहीं, बल्कि रुल ब्रेकिंग के आधार पर बाहर आते हैं। जब आपकी गलती नहीं है और आपको भुगतना पड़ रहा है, ये बहुत गलत चीज है। और ये मेरे साथ हुआ है। किसी एक आदमी को पावर नहीं देनी चाहिए। ये बहुत बड़ा शो है, बहुत बड़ा प्लेटफॉर्म है। बहुत सारे लोगों की टीम एक उद्देश्य से यहां काम करती है। अगर ये उद्देश्य पूरा नहीं हो रहा है और आप उनकी उम्मीदों पर पानी फेर रहे हैं तो ये ठीक नहीं है। यह अन्याय है।

ऐश्वर्या ने आगे कहा, आप देख सकते हैं कि ईशा किसके साथ रह रही थी। वह चमची बन चुकी है अंकिता लोखंडे की। ईशा के लिए मैं खतरा बन चुकी थी, क्योंकि मैंने उन्हें नॉमिनेट किया था। वो गेम, गेम नहीं है, जहां कॉपी की जा रही है। कुछ नया करते अपने दिमाग से तो बेहतर होता। लेकिन, ठीक है। आप खेलिए अपने मन से, रटा रटाया खेल। आपके लिए यही अच्छा है।

आर्मडिलो : मुसीबत आते ही बन जाता है फुटबॉल, गोली भी है इस पर बेअसर!

धरती के कोने-कोने में ऐसे तमाम जानवर मौजूद हैं, जिनके बारे में हमें ज्यादा जानकारी नहीं है। जो जीव हमारे आस-पास होते हैं, उन्हें तो हम फिर भी पहचानते हैं लेकिन जिन जानवरों को हम रोज़ नहीं देखते, उन्हें इंटरनेट या टीवा पर कभी न कभी देख चुके होंगे। एक ऐसा ही विचित्र जानवर है, जिसकी त्वचा बुलेट प्रूफ होती है। ये अपनी तरह का अकेला ऐसा जानवर है। आपको शायद ही पता होगा कि धरती पर एक ऐसा भी जानवर है, जिसकी चमड़ी इतनी सख्त है कि गोली भी इस पर कोई असर नहीं डाल पाती। चालाकी के मामले में तो ये बड़े-बड़े जानवरों को भी मात दे सकता है। ये दिलचस्प जानवर अमेरिकी महाद्वीप में पाया जाता है और इसका नाम आर्मडिलो है। यूं तो आर्मडिलो दिखने में छोटा सा जानवर है, लेकिन इतना चालाक है कि बड़े-बड़े जानवरों की भी बुद्धि को मात दे सकता है। ये मुसीबत आने पर खुद को दिलचस्प तरीके से बचा लेता है। ये खुद को अपने ही शरीर में समेटकर किसी फुटबॉल के आकार में ढाल लेता है। जब तक हमला टल नहीं जाता, तब तक ये ऐसे ही रहता है। ये आकार में चूहे से जरा सा ही बड़ा होता है। इसकी लंबाई 38 से 58 सेंटीमीटर, जबकि ऊंचाई 15 से 25 सेंटीमीटर के बीच होती है। इसका वजन 2.5 से 6.5 किलो के बीच होता है। आमतौर पर खूंखार से खूंखार जानवर को अगर गोली से मारा जाए तो ये उनके शरीर के आर-पार हो जाती है लेकिन आर्मडिलो के मामले में ऐसा नहीं है। भूरे-पीले और गुलाबी रंग के इस जानवर की त्वचा इतनी सख्त होती है कि गोली भी इस पर असर नहीं होती है। वैसे तो मगरमच्छ और कछुए की भी त्वचा बहुत सख्त होती है लेकिन आर्मडिलो जितनी नहीं। ये गर्मी में रहने वाले जंतु हैं और ठंड इन्हें ज़रा भी बर्दाश्त नहीं होती।

अजब-गजब | गुलाम विद्रोहियों की रखी हैं खोपड़ियां

इस देश ने संभालकर रखी हैं गुलामों की खोपड़ियां? दुनिया मांगती है पर देते नहीं

भारत समेत दुनिया के ज्यादातर मुल्कों ने गुलामी झेली है। उनके साथ बहुत अत्याचार भी किए गए। उनके धर्मस्थल लूटे गए। लोगों को प्रताड़ित किया गया। अंग्रेज उनकी संपत्तियां लूटकर साथ ले गए। लेकिन एक मुल्क ऐसा भी है, जिसने दुनिया के कई देशों के लोगों के कंकाल, उनकी खोपड़ी अपने पास रख लिया है। कई बार इसे वापस लेने देने की गुहार लगाई गई, लेकिन यह मुल्क देने को तैयार नहीं है। वजह जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे।

हम बात कर रहे जर्मनी की। औपनिवेशिक काल के दौरान पूर्वी अफ्रीकी देशों के 1000 से ज्यादा लोगों की खोपड़ियां यहां की सरकार अपने साथ लेकर आई थी और इन्हें आज भी राजधानी बर्लिन में एक संग्रहालय में रखा गया है। कंकालों को लाने का मकसद अलग-अलग नस्ल के लोगों का वैज्ञानिक अध्ययन करना था, ताकि जाना जा सके कि वे इतने मजबूत कैसे होते हैं। कई बार इसकी कोशिश भी हुई, लेकिन कोई खास नतीजा अब तक निकलकर नहीं आया।

सरकारी संस्था प्रशियन कल्चरल हेरिटेज फाउंडेशन के पास 5,600 कंकाल मौजूद हैं। इनमें रवांडा के लोगों की 1000 से अधिक खोपड़ियां जबकि तंजानियाई मूल के कम से कम 60 लोगों की खोपड़ी शामिल है। दोनों देशों पर जर्मनी ने 1885 से 1918 के बीच शासन किया था। उसी वक्त इन कंकालों को लाया गया था। कहा जाता है कि ये कंकाल उन लोगों के हैं, जिन्होंने जर्मन सेनाओं से बगावत की थी और उनके खिलाफ युद्ध शुरू कर दिया था। बाद में जर्मन सेना ने इन्हें मार गिराया था। इन्हें गुलाम विद्रोही बताया गया है। ये विद्रोही इतने ताकतवर थे कि जर्मन सेना को नाको चने चबाने पर मजबूर कर दिया था।

हाल ही में रवांडा के राजदूत ने इन खोपड़ियों को वापस करने की मांग की थी, लेकिन सरकार राजी नहीं। फाउंडेशन के प्रमुख ने कहा, कंकालों को वापस देने में कोई परेशानी नहीं है। लेकिन सबसे जरूरी है कि अवशेषों को लौटाने से पहले उनका मिलान करना होगा। साइंटिफिक रूप से पुष्टि होनी चाहिए। ऐसा नहीं है कि रवांडा पहली बार मांग कर रहा है। इससे पहले जर्मनी ने ऑस्ट्रेलिया, पैराग्वे और अपनी पुरानी कॉलोनी नामीबिया को उसके अवशेष वापस किए हैं।

पुरानी योजनाओं को बंद कर रही बीजेपी सरकार: गहलोत

बोले- अगर राजीव गांधी के नाम पर आपत्ति तो अटल जी का नाम दें

» जनता से जुड़ी योजनाओं को बंद न करें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बीजेपी की नई सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने सरकारी योजनाओं को बढ़ावा देने के लिए राजीव गांधी युवा मित्र इंटर्नशिप कार्यक्रम में काम करने वाले लगभग 5,000 युवाओं की सेवाओं को समाप्त करने के फैसले पर भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा बीजेपी सरकार को सकारात्मक सोच के साथ शासन चलाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि राजीव गांधी युवा मित्र इंटर्नशिप कार्यक्रम में सरकार की योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने के लिए कार्य कर रहे करीब 5,000 युवाओं की सेवाएं समाप्त करना उचित नहीं है। ये युवा सरकार की योजनाओं के बारे में जागरुक हैं एवं सरकार की काफी मदद कर रहे हैं। गहलोत ने आगे लिखा कि नई सरकार को इस योजना के नाम से परेशानी थी तो राजीव गांधी सेवा केन्द्रों की भांति नाम बदलकर अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर कर सकती थी। जबकि प्रदेशवासी जानते हैं कि पिछले कार्यकाल में बीजेपी सरकार द्वारा अस्थायी तौर पर लगाए गए पंचायत सहायकों को हमारी सरकार ने स्थायी कर उनका वेतन बढ़ाया था। ऐसी ही सकारात्मक सोच से नई सरकार को भी राजीव गांधी युवा मित्र इंटर्नशिप कार्यक्र म को जारी रखना चाहिए। गहलोत का पोस्ट उसी दिन आया है जब राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने लोगों को आश्वासन दिया कि राज्य में पिछली कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू की गई सभी कल्याणकारी योजनाएं जारी रहेंगी। वह कांग्रेस द्वारा लगाए गए आरोपों का जवाब दे रहे थे कि उनकी सरकार ने पिछली सरकार द्वारा शुरू की गई जन कल्याण योजनाओं को समाप्त करने की योजना बनाई है।

राजस्थान में कांग्रेस पर अब भी जनता का भरोसा

जयपुर। राजस्थान में राज बदलने के रिवाज के चलते कांग्रेस पार्टी सत्ता से तो दूर हो गई, लेकिन पार्टी के सपोर्ट बेस के तौर पर राजस्थान अब भी सबसे बड़े किलों में शामिल है। इस दावे के लिए तर्क के तौर पर कांग्रेस के हाल ही में शुरू किए गए डोनेट फॉर देश कैंपेन से मिलने वाले आंकड़ों को गिना जा सकता है। राजस्थान को इस मुहिम के दौरान सबसे ज्यादा पैसा भले ही महाराष्ट्र से मिला हो, लेकिन सबसे ज्यादा दानदाता राजस्थान से हैं। कांग्रेस पार्टी अब तक डोनेट फॉर देश कैंपेन के जरिए 5 करोड़, 49 लाख, 18 हजार 615 रुपए इकट्ठे कर चुकी है। इसमें से 58 लाख 86 हजार 862 रुपए तो सिर्फ राजस्थान से ही इकट्ठे किए गए हैं। इस कैंपेन के जरिए कांग्रेस को किए गए दान के मामले में राजस्थान दूसरे नंबर पर है। वहीं दानदाताओं की बात करें तो राजस्थान पहले नंबर पर है। कांग्रेस को दान देने वालों में से 16.08 फीसदी दानदाता राजस्थान के ही हैं। राजस्थान विधानसभा चुनाव के आंकड़े भले ही कांग्रेस पार्टी के लिए मुफीद न रहे हों, लेकिन राजस्थान से मिल रहे दान ने जरूर राजस्थान कांग्रेस को दम दिया होगा। यहां बता दें कि राजस्थान कांग्रेस के कद्दावर नेता भी पार्टी के इस कार्यक्रम को सफल बनाने की कोशिश में जुटे हैं और जमकर दान भी कर रहे हैं। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने भी 1 लाख 38 हजार-1 लाख 38 हजार का दान पार्टी को दिया है। कांग्रेस पार्टी डोनेट फर देश कैंपेन चला रही है, इस क्राउडफंडिंग अभियान के जरिए कांग्रेस फंड इकट्ठा कर रही है। कांग्रेस इसे पार्टी की स्थापना के 138 वर्षों से भी जोड़ रही है, जिसके लिए इस कैंपेन के जरिए डोनेशन की कैटेगरी भी 138, 1380, 13800, एक लाख 38 हजार रुपए की रखी है, इस कैंपेन के जरिए कांग्रेस के कार्यकर्ता घर-घर जाकर डोनेशन इकट्ठा कर रहे हैं। राजस्थान विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को भले ही हार का सामना करना पड़ा और बीजेपी ने बंपर जीत दर्ज की है। लेकिन कांग्रेस पार्टी के प्रति अब भी लोगों का प्यार बना हुआ है।

» कांग्रेस को दान देने वालों में सबसे आगे राजस्थानी

भाजपा के साथ कोई गठबंधन नहीं : पलानीस्वामी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी ने चेन्नई में पार्टी की सामान्य परिषद और कार्यकारी समिति की बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु देश में नंबर एक पर है क्योंकि एआईएडीएमके ने एमजीआर और जयललिता के मार्गदर्शन में 30 वर्षों तक राज्य पर शासन किया है। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) ने मंगलवार को 23 प्रस्ताव पारित किए, जिनमें कानून और व्यवस्था के मुद्दों और चक्रवात राहत निधि के वितरण में कथित भ्रष्टाचार के लिए द्रमुक सरकार की निंदा भी शामिल है।

अन्नाद्रमुक जनरल काउंसिल और कार्यकारी समिति की बैठक चेन्नई के वनग्राम में श्रीवारु वेंकटचलपति पैलेस में हुई। यह बैठक इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि चुनाव आयोग और उच्चतम न्यायालय द्वारा एडप्पादी पलानिसामी को अन्नाद्रमुक के महासचिव के रूप में मान्यता दिए जाने के बाद यह पहली बैठक है। बैठक के दौरान ईपीएस ने एक बार फिर साफ किया कि बीजेपी के साथ गठबंधन नहीं होगा। अपनाए गए प्रस्तावों में अन्नाद्रमुक के महासचिव के रूप में एडप्पादी पलानीस्वामी के मार्गदर्शन की सराहना और मदुरै में अन्नाद्रमुक सम्मेलन की सफलता को स्वीकार करना शामिल है।

द्रमुक सरकार के खिलाफ पास किया निंदा प्रस्ताव

शेष प्रस्ताव जैसे कि उत्तर पूर्व मानसून और चक्रवात मिचौंग के दौरान पर्याप्त एहतियाती कदम नहीं उठाने, लोगों के जीवन को प्रभावित करने के लिए द्रमुक सरकार की निंदा करना और विधानसभा सत्रों का सीधा प्रसारण नहीं करने और विपक्षी नेता के भाषण के दौरान जानबूझकर डिस्कनेक्ट करने के लिए तमिलनाडु सरकार की निंदा करने वाले प्रस्ताव भी शामिल थे। 23 प्रस्तावों के अलावा, बैठक के दौरान एक विशेष प्रस्ताव पारित किया गया, जिसमें कहा गया कि एमजीआर की पत्नी और पूर्व सीएम वीएन जानकी का 100 वां जन्मदिन अन्नाद्रमुक द्वारा भव्य रूप से मनाया जाएगा।

सिपाही भर्ती में सभी वर्गों को आयु सीमा में मिलेगी तीन साल की छूट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सिपाही नागरिक पुलिस के 60,244 पदों पर होने वाली सीधी भर्ती में सभी वर्गों के अभ्यर्थियों को आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट देने का आदेश दिया है। अभ्यर्थियों द्वारा आयु सीमा में छूट की मांग का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद को इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं।

» अखिलेश व जयंत की बात माने योगी आज से आवेदन शुरू

बता दें कि आयु सीमा में छूट देने के लिए कई जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा था। दरअसल, सिपाही भर्ती का नोटिफिकेशन जारी होने के बाद आयु सीमा को लेकर असंतोष पनप रहा था। अभ्यर्थियों की मांग पर केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान, भाजपा सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त समेत कई विधायकों ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा था। इससे पहले समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह ने भी आयु सीमा में छूट देने की मांग की थी। वहीं, हाईकोर्ट में भी इस संबंध में याचिका दायर कर दी गयी। सबसे ज्यादा नाराजगी सामान्य वर्ग की आयु सीमा को लेकर पनप रही थी।

ग्रीन एनर्जी में अडानी समूह करेगा 9350 करोड़ का निवेश

» कंपनी के शेयर ने लगाई लंबी छलांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अडानी ग्रुप के अनुसार अरबपति गौतम अडानी और उनका परिवार समूह की ग्रीन एनर्जी में 9,350 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। वह इस निवेश के जरिये 2030 तक 45 गीगावॉट का लक्ष्य हासिल करना चाहती है। इसके अलावा वह लोन के भुगतान के लिए भी यह निवेश करेगी।

आपको बता दें कि अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) के बोर्ड ने प्रमोटर समूह की कंपनियों, अर्दोर इन्वेस्टमेंट होल्डिंग लिमिटेड और अडानी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड को 1,480.75 रुपये के हिसाब से 6.31 करोड़ वारंट जारी करने की योजना को मंजूरी दे दी। कंपनी की अगले साल 1.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर की बांड मैच्योरिटी आ रही है। कंपनी उसे चुकाने के लिए पहले से योजना बना रही है। कंपनी ने इसके लिए रुपरेखा भी तैयार करना शुरू कर दिया है। जनवरी में हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा कॉर्पोरेट धोखाधड़ी के आरोपों के बाद कंपनी के स्टॉक के साथ कंपनी की ग्रोथ पर भी असर देखने को मिला था। हालांकि, कंपनी ने इन आरोपों को गलत ठहराया है। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद अडानी ग्रुप को सबसे निचले स्तर पर 50 बिलियन अमेरिकी डॉलर से ज्यादा का नुकसान हुआ है। इस नुकसान की भरपाई के लिए कंपनी को कई महीने लग गए।

3.8 प्रतिशत हिस्सेदारी मिलेगी प्रमोटर्स को

कंपनी ने अपने फाइलिंग में कहा कि वह 9,350 करोड़ रुपये के निवेश का इस्तेमाल कंपनी के कामकाज के लिए करेगी। इस निवेश से प्रमोटर समूह की कंपनियों को कंपनी में 3.833 फीसदी इक्विटी की हिस्सेदारी मिलेगी। आपको बता दें कि अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के स्टॉक बीएसई पर 4.3 फीसदी की बढ़त के साथ 1,599.90 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुआ। यह फंड निवेश अदाणी की वापसी की रणनीति का हिस्सा है।

कंपनी के अपने बयान में कहा गया है कि वह 18 जनवरी, 2024 को असाधारण आम बैठक (ईजीएम) करेगी। इससे पहले एजीईएल ने भारत के सबसे बड़े सोलर पार्क, खावड़ा, गुजरात में 2,167 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए आठ प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बैंकों द्वारा 1.36 बिलियन अमेरिकी डॉलर की निर्माण सुविधा की घोषणा की थी।

रबाडा ने भारत को डराया, राहुल अड़े

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत ने सेंचुरियन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले की शुरुआत की। इस बीच पहला दिन द. अफ्रीका के गेंदबाजों के नाम रहा। भारत की ओर से बल्लेबाज कुछ खास कमाल नहीं किया और भारत की शुरुआत भी काफी खराब रही।

पहले टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 8 विकेट पर 208 बनाए

टीम ने 9 रन पर रोहित शर्मा के रूप में अपना पहला विकेट गंवा दिया। इस बीच विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में टेस्ट में डेब्यू कर रहे कोएल राहुल की पारी ने टीम को कुछ मजबूती प्रदान की। भारत की ओर से सभी बल्लेबाज मामूली स्कोर पर पवेलियन लौट गए। इस बीच केएल राहुल ने संकटमोचक बने। पहले दिन के स्टंप्स तक 70 रन का नाबाद पारी खेलकर राहुल ने भारत को संभाला। ऐसे में केएल राहुल वह भारतीय विकेटकीपरों के एलीट क्लब में शामिल हो गए हैं। उन्होंने इस दौरान एक खास रिकॉर्ड अपने नाम किया है। इस बीच भारत का स्कोर 107 रन पर 5 विकेट था। हालांकि बारिश के कारण पहले दिन के आखिरी सेशन में भारत ने 8 विकेट पर अपना स्कोर 208 रन तक पहुंचाया।

केएल के नाम जुड़ा खास रिकॉर्ड

राहुल भारत से बाहर विदेशी धरती पर क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में 50 से अधिक स्कोर बनाने वाले केवल तीसरे भारतीय विकेटकीपर बन गए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड सिर्फ एमएस धोनी और ऋषभ पंत के नाम है। इससे पहले राहुल टी20 और वनडे में भारत के लिए 50 से ज्यादा रन की पारी खेल चुके हैं। पहली बार टेस्ट में विकेटकीपर के रूप में उतरे हैं। केएल राहुल छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए आए।

लखनऊ में सुबह से छाया रहा कोहरा, 30 दिसंबर तक घने कोहरे का अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के कई शहरों समेत राजधानी लखनऊ के इलाकों में बुधवार की सुबह को घना कोहरा छाया रहा। कई इलाकों में तो दृश्यता शून्य रही। मौसम विभाग ने 30 दिसंबर तक घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है। वहीं जनवरी के पहले सप्ताह में ही प्रदेश में बूंदाबांदी के आसार जताए गए हैं।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, 23 दिसंबर की सुबह से ही प्रदेश के कई इलाकों में घने से अत्यधिक कोहरे का दौर शुरू हो गया था। इसके बाद से इसमें लगातार वृद्धि जारी है। मंगलवार को भी कानपुर, आगरा, व प्रयागराज में दृश्यता शून्य रही। वाराणसी में महज 10 मीटर, जबकि फुर्सतगंज, उरई, शाहजहांपुर व फतेहगढ़ में 20 मीटर रही। झांसी में 40 मीटर तक पहुंची दृश्यता। लखनऊ हरदोई, अलीगढ़, हमीरपुर में भी घना कोहरा रहा, यहां दृश्यता 50 मीटर रही।

मेरठ, बांदा, बाराबंकी, इटावा, बरेली और बलिया में 100 से 200 के बीच दृश्यता दर्ज की गई। मौसम वैज्ञानिक के मुताबिक, आगामी दो से तीन दिनों के दौरान तापमान में

फोटो: सुमित कुमार

आंशिक गिरावट आएगी, सुबह के समय घने व अत्यधिक घने कोहरे का दौर आगे भी जारी रहेगा। कहीं-कहीं दृश्यता 50 मीटर से भी कम हो जाने के आसार हैं। दिन चढ़ने के साथ ही इसमें सुधार आएगा। फिर फुरवा के प्रभाव से तापमान में गिरावट थमेगी और कोहरा और बढ़ेगा। जनवरी में दक्षिण उत्तर प्रदेश में बूंदाबांदी के साथ हल्की बारिश के आसार हैं।

यमुना एक्सप्रेसवे पर टकराए 20 वाहन

ग्रेटर नोएडा। दिल्ली-एनसीआर में बुधवार की सुबह वातावरण में घने कोहरे की चादर छाई हुई है। यमुना एक्सप्रेस-वे पर इसका असर भी देखने को मिला है।

ताजा जानकारी के मुताबिक, यमुना एक्सप्रेस-वे पर सुबह नोएडा से आगरा की ओर जाने वाली लेन पर दयानतपुर गांव के समीप 20 वाहन एक दूसरे से टकरा गए। इससे मौके पर लंबा जाम लग गया। सूचना पर मौके पर पुलिस टीम पहुंची है। इस घटना में अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। बुधवार सुबह कोहरे के कारण दृश्यता कम होने से ग्रेटर नोएडा में यमुना एक्सप्रेसवे पर कई वाहन टकरा गए। अधिकारियों के मुताबिक, घटना सुबह करीब आठ बजे जेवर थाना क्षेत्र के दयानतपुर इलाके में एक्सप्रेसवे के आगरा से नोएडा लेन पर हुई है। घटना में किसी भी व्यक्ति को बड़ी चोट नहीं आई है, जबकि घायलों की संख्या का अभी पता नहीं चल पाया है। अधिकारी ने बताया कि अधिकांश क्षतिग्रस्त वाहनों को एक्सप्रेसवे से हटा दिया गया है और इस मार्ग पर सामान्य यातायात फिर से शुरू हो गया है।

अमोनिया गैस लीक, 34 लोग पहुंचे अस्पताल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के एन्नोर में गैस लीक की खबर सामने आई है। अधिकारियों ने बताया कि उप-समुद्र पाइप में अमोनिया गैस के रिसाव का पता चला है। इसकी जानकारी मिलते ही इसे रोका गया है। गैस लीक होने की वजह से आस-पास इसकी काफी तेज गंध महसूस की गई। इसकी वजह से 34 लोगों को बेचैनी महसूस होने लगी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

» तमिलनाडु के एन्नोर में मची अफरातफरी

अवाडी के संयुक्त आयुक्त विजयकुमार ने बताया कि घबराने की जरूरत नहीं है। फिलहाल हालात स्थिर हैं। एन्नोर में अब कोई गैस लीक नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि लोग वापस घर आ गए हैं। मौके पर चिकित्सा और पुलिस की टीमें मौजूद हैं। दूसरी ओर, अमोनिया गैस के लीक की खबर मिलते ही एक बार फिर भोपाल त्रासदी की डरावनी यादें ताजा हो गईं। गौरतलब है, भारत के मध्य प्रदेश के भोपाल शहर में तीन दिसम्बर सन् 1984 को एक भयानक औद्योगिक दुर्घटना हुई थी। इसे भोपाल गैस कांड या भोपाल गैस त्रासदी के नाम से जाना जाता है। भोपाल स्थित यूनियन कार्बाइड नामक कंपनी के कारखाने से एक जहरीली गैस का रिसाव हुआ था, जिससे लगभग 15000 से अधिक लोगों की जान चली गई।

पहलवानों के अखाड़े पहुंचे राहुल गांधी

दीपक पूनिया के गांव जाकर हाल-चाल जाना, कुश्ती के दांव-पेंच पर की चर्चा, केंद्र सरकार पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 2024 चुनाव को लेकर राहुल गांधी लगातार सक्रियता दिखा रहे हैं। इसी के तहत वह आज पहलवान दीपक पूनिया के गांव पहुंचे। इससे पहले पिछले दिनों उन्होंने ट्रक ड्राइवर, किसानों और कुलियों से भी मुलाकात की थी। दरअसल, बजरंग पूनिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक भावुक पत्र लिखते हुए पीएम आवास के बाहर अपना पद्मश्री छोड़ दिया तो विनेश फोगाट ने अपना अर्जुन अवार्ड भी लौटा दिया। कुश्ती के अखाड़े में राजनीतिक दांव पेंच लगाने की कोशिश में कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज पहलवान दीपक पूनिया के गांव पहुंच गए। इसके साथ ही वह जमीन से जुड़ने के भी कोशिश कर रहे हैं। यही कारण है कि इन सब के बीच देश में पहलवानों का मुद्दा काफी गर्म है।

ऐसे में कांग्रेस लगातार पहलवानों के समर्थन में खड़ी रही है। इन सब के बीच भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ महिला पहलवान लगातार एक्शन की बात कर रहे हैं। महिला पहलवानों की ओर से उनपर यौन शोषण के आरोप लगाए गए हैं। बृजभूषण के करीबी संजय सिंह बबलू को जब फेडरेशन का नया अध्यक्ष चुना गया तो विरोध में साक्षी मलिक ने कुश्ती छोड़ने का ही फैसला कर दिया। राहुल गांधी ने छारा गांव में पहुंचकर वीरेंद्र अखाड़े में पहलवानों से मुलाकात की। इस दौरान राहुल गांधी के साथ बजरंग पुनिया भी मौजूद रहे। उन्होंने केंद्र सरकार पर भी

सुबह 6.15 बजे पहुंचे सांसद

राहुल और बजरंग पूनिया के साथ वे लोग भी मौजूद रहे जो कि कुश्ती संघ के खिलाफ चल रहे प्रदर्शन में मुख्य चेहरे रहे हैं। बजरंग पूनिया ने कहा कि वह हमारी कुश्ती की दिनचर्या देखने आये... उन्होंने कुश्ती लड़ी... वह एक पहलवान की रोजमर्रा की गतिविधियां देखने आये। कोच वीरेंद्र आर्य ने बताया कि राहुल गांधी सुबह 6.15 बजे अखाड़े में पहुंचे। उन्होंने कहा, उन्हें राहुल गांधी के दौरे की जानकारी नहीं थी। एक पहलवान ने कहा, उन्होंने हमें अपने खेल के बारे में बताया और कुश्ती के बारे में पूछा। उन्होंने हमारे साथ रोटी और साग खाया।

हमला बोला। छारा गांव झज्जर जिले में आता है। हरियाणा के सियासत में पहलवानों और अखाड़ों का काफी बड़ा रोल रहा है। दीपक और बजरंग पूनिया ने इसी वीरेंद्र अखाड़े से अपने कुश्ती की शुरुआत की थी। इस दौरान राहुल गांधी ने पहलवानों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं के बारे में जानना भी चाहा। साथ ही साथ पहलवानों की कसरतों और उनके करियर पर भी बातचीत की है।

यूपी जोड़ो यात्रा की भीड़ 2024 में बदलाव की आहट : पवन खेड़ा

लखनऊ। मुरादाबाद के डिप्टी गंज से यात्रा की शुरुवात करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय ने कहा की इस जुमला मोदी सरकार से जनता ऊब चुकी है। युवाओं को रोजगार नहीं, किसानों को आय नहीं, महिलाओं को सुरक्षा नहीं, दलित और पिछड़ों को हक नहीं, सिर्फ कोरी बातों के सिवाय इस डबल इंजन की सरकार के कुछ नहीं है। यात्रा में दिल्ली से राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा भी सम्मलित हुए। खेड़ा ने यात्रा को संबोधित करते हुए कहा की उत्तर प्रदेश जब बदलाव की आहट देता है तो दिल्ली का तख्त बदल जाता है और आपकी संख्या और उत्साह उसी बदलाव का संकेत दे रहे हैं। संविधान की मूल भावना में है हर धर्म का सम्मान, इसी को मंत्र मान कर कांग्रेस पिछले 73 सालों से काम कर रही है। आज यात्रा में भी, पूरे सफर के दरमियान हर मंदिर, हर मस्जिद, हर गुरुद्वारे, हर चर्च के सामने यूपी जोड़ो के यात्रियों ने अपने अध्यक्ष अजय राय के साथ बड़ी श्रद्धा से सर झुकाया और ये संदेश दिया की हम किसी धर्म की नहीं बल्कि भारत और भारतीयता की भावना के संवाहक हैं।

तीन तलाक पर आरएसएस नेता को विवादित बयान देना पड़ा भारी

» कर्नाटक पुलिस ने एफआईआर दर्ज की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलूरू । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ नेता कल्लाडका प्रभाकर भट एक बार फिर अपनी कथित टिप्पणी को लेकर चर्चा में आ गए हैं। उनके खिलाफ कर्नाटक में केस दर्ज किया गया है। दरअसल, भट ने कहा था कि मुस्लिम पुरुष तीन तलाक को अवैध घोषित करने वाले विधेयक को पारित करने के लिए केंद्र की भाजपा सरकार से नाखुश हैं।

वहीं, मुस्लिम महिलाएं खुश हैं क्योंकि उनके पास अब एक स्थायी पति है। आरएसएस नेता रविवार को कर्नाटक के श्रीरंगपट्टनम में एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि कुछ दिनों

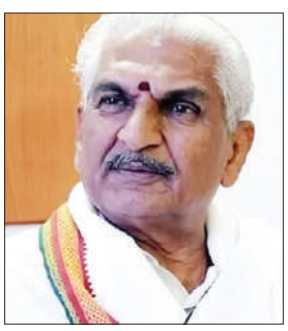

पहले तक तीन तलाक की प्रथा कानूनी थी, लेकिन मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद से इसे खत्म कर दिया गया है। मुस्लिम पुरुष इस बात से बहुत नाखुश होंगे। हालांकि, मुस्लिम महिलाएं इस कदम से बहुत खुश होंगी क्योंकि पहले हर दिन उन्हें तलाक, तलाक, तलाक सुनने को मिलता था और उन्हें हर दिन एक नया पति मिलता था।

वह यह नहीं कह सकती थी कि उनके पास जीवन भर के लिए एक ही पति है। उन्होंने कहा, कि यह मोदी सरकार है, जिसने मुस्लिम महिलाओं को एक स्थायी पति दिया है। बता दें, संकीरना यात्रा नामक इस कार्यक्रम का आयोजन दक्षिणपंथी संगठन हिंदू जागरण वेदिके ने किया था।

नीतीश के लिए एनडीए में अब जगह नहीं : सुशील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह को लेकर बड़ा दावा किया है। सुशील कुमार मोदी ने आगे कहा कि नीतीश कुमार को लगता है कि ललन सिंह की वजह से उनकी पार्टी में विरोध शुरू हो गया है। ललन सिंह लगातार आरजेडी की वकालत कर रहे हैं। वह आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के काफी करीब हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार इस उम्मीद के सहारे इंडिया गठबंधन में गए थे कि उनको राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने में मदद मिलेगी, लेकिन ऐसा हो नहीं पाया। इसी वजह से अब वहां पर दबाव बनाने के लिए है वह कई कदम उठाएंगे। बीजेपी सांसद सुशील मोदी ने साफ तौर पर कहा कि एनडीए गठबंधन में अब नीतीश कुमार की कोई जगह नहीं है क्योंकि अब उनके पास जो वोट कभी हुआ करता था वह भी उनके साथ नहीं है। इस सवाल पर कि अगर ललन सिंह हटते हैं तो जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक चौधरी होंगे या कौन होगा? इस पर कहा कि यह तो नीतीश कुमार तय करेंगे लेकिन, ललन सिंह का जाना लगभग तय है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।